आभार

अपने आराध्य देव भगवान शिव को मैं शत्–शत् नमन करते हुए अपने शोध प्रबन्ध को उनके चरणों में समर्पित करती हूँ जिनके आशीर्वाद से मेरा शोध कार्य सम्पूर्ण हो सका।

सर्वप्रथम मैं अपने शोध निर्देशक डॉ0 अरूण कुमार तिवारी रीडर मनोविज्ञान विभाग, का0 सु0 साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय अयोध्या को कोटिशः आभार व्यक्त करती हूँ जिनके अद्वितीय एवम् प्रशसंनीय मार्गदर्शन से यह शोधकार्य सहज रूप से पूरा हो सका।

मैं अपने पूज्य पिताजी एवम् माताजी के प्रति भी आभार प्रदर्शित करती हूँ जिनके सहयोग के बिना यह शोध कार्य कदापि पूरा न हो सकता।

अपने परिवार के सदस्यों के प्रति प्रेम एवंम् स्नेह प्रकट करती हूँ जिन्होनें इस शोध कार्य में पूरा योगदान दिया। साथ ही अपने ससुराल के सभी सदस्यों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होनें इस कार्य को सम्पादित करने में मुझे सदैव अपने स्तर से पूरा सहयोग प्रदान किया।

इस शोध कार्य को पूरा करने के लिये जिन महिला सूचनादाताओं का सहयोग मुझे मिला है उनके प्रति भी मै हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ क्योकि बिना उनके सार्थक सहयोग के प्रदत्त संकलन का कार्य सम्भव न हो पाता इसके साथ–साथ मै उन अधिकारियों, प्राचार्यो के प्रति भी नतमस्तक हूँ जिन्होनें इस शोध कार्य के प्रति प्रदत्त एकत्रित करने की अनुमति प्रदान कर कार्य को सरल बनाया।

प्रस्तुत शोध कार्य के लिये मैनें जिन विद्वानों तथा लेखकों के कार्यों का सहयोग लिया है उन सब के प्रति भी हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ।

मैं श्री अतुल कुमार मिश्र एवम् श्री जंगजीत कुमार के प्रति भी आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होनें इस शोध प्रबन्ध में अपने स्तर से पूरा सहयोग प्रदान किया।

श्री शैलेन्द्र पाण्डेय ने शोध प्रबन्ध को अत्यन्त निपुणता एवम् शुद्धता के साथ समय के भीतर ही टंकित एवम् व्यवस्थित किया, एतदर्थ वे मेरी ओर से धन्यवाद के अधिकारी है।

वन्दना त्रिपाठी

वन्दना त्रिपाठी

शोध छात्रा

का0 सु0 साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अयोध्या, फैजाबाद